



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 6 अगस्त, 1984/15 श्रावण, 1906

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 2 जुलाई, 1984

संख्या 6-19/77-टी०पी० टी०.—यह प्रस्ताव है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के बीच, एक दूसरे के राज्य क्षेत्र में मंजिली गाड़ी सेवा चलाने के लिए मोटर यान अधिनियम, 1939 की धारा 63 की उप-धारा (3-क) के अधीन एक करार किया जाए ;

अतः अब, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, मोटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का केन्द्रीय अधिनियम 4) की धारा 63 की उप-धारा (3-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त राज्यों के बीच किए जाने वाले व्यक्तिकारी करार के प्रस्तावित प्रारूप को जो इससे उपाबद्ध है, उसे सम्भाणतः प्रभावित होने वाले व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करते हैं।

यह सूचित किया जाता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग के सचिव इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् उसके सम्बन्ध में प्राप्त किसी अभ्यावेदन/मुद्दाव सहित, विचार करेंगे।

हर्ष गुप्ता,
सचिव।

सार्वजनिक वाहक के लिए, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों के बीच व्यक्तिकारी करार का प्रारूप

यह करार एक पक्षकार के रूप में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, जिन्हें इसमें आगे "हिमाचल प्रदेश सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पद उत्तरवर्ती भी हैं। और दूसरे पक्षकार के रूप में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल (जिन्हें इसमें आगे "उत्तर प्रदेश सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पद उत्तरवर्ती भी हैं) के बीच आज तारीख ————— को किया गया।

देश की तीव्र आर्थिक विकास की दृष्टि से और उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के बीच अन्तर्राज्यीय मार्गों पर परिवहन गाड़ियों के चालन को बढ़ावा देने की दृष्टि से, और उनके प्रचालन को विनियमित और नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है कि दोनों राज्यों के बीच व्यक्तिकारी करार किया जाए;

और, इसके पक्षकार यह चाहते हैं कि इसमें आगे उप-वर्णित निबन्धनों और शर्तों पर उनके बीच एक करार निष्पादित किया जाए।

अतः यह विलेख साक्ष्य स्वरूप है और इसके पक्षकार निम्नलिखित करार करते हैं :—

1. मंजिली गाड़ियां.—(1) प्रत्येक राज्य की दूसरे के राज्य क्षेत्र मंजिली गाड़ियों के प्रचालन का क्षेत्र और यात्राओं की संख्या निम्नलिखित होगी :—

(क) उत्तर प्रदेश में, हिमाचल प्रदेश की मंजिली गाड़ियों का प्रचालन क्षेत्र और यात्राओं की संख्या।

मार्ग का नाम	प्रतिदिन यात्राओं की संख्या	उत्तर प्रदेश में किलोमीटर
1	2	3
1. शिमला-हरिद्वार बरास्ता नाहन	1 वापसी यात्रा	246
2. बैजनाथ-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	212
3. हमीरपुर-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	212
4. मनाली-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	212
5. शिमला-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	212
6. चम्बा-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	212
7. सरकाघाट-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़	"	246
8. रोहड़ू-हरिद्वार बरास्ता नेरुआ-फिदास-शिलाई-पांवटा	"	246
9. शिमला-देहरादून बरास्ता नाहन	"	100
10. सुजानपुर-विकास नगर बरास्ता चण्डीगढ़	"	32
11. नालागढ़-हरिद्वार बरास्ता चण्डीगढ़-अम्बाला	"	212

कुल .. 2142

(ब) हिमाचल प्रदेश में उत्तर प्रदेश की मंजिली गाड़ियों का प्रचालन क्षेत्र और यात्राओं की संख्या :

मार्ग का नाम 1	प्रतिदिन यात्राओं की संख्या 2	हिमाचल प्रदेश में किलोमीटर 3
1. सहारनपुर-नाहन	4 वापसी यात्राएं	384
2. देहरादून-पांवटा बरास्ता विकास नगर-डाकपत्थर	6 वापसी यात्रा	6
3. देहरादून-पांवटा	1 वापसी यात्रा	1
4. देहरादून-नाहन	1 वापसी यात्राएं	96
5. हरिद्वार-देहरादून-नाहन-शिमला	1 "	382
6. देहरादून-शिमला बरास्ता चण्डीगढ़	2 "	360
7. हरिद्वार-शिमला बरास्ता चण्डीगढ़	1 "	180
8. रुड़की-नाहन बरास्ता छतमलपुर-कलंसिया-हरबर्टपुर	3 "	288
9. मुजफ्फरनगर-नाहन बरास्ता देवबन्द-सहारनपुर	3 "	288
10. मेरठ-शिमला बरास्ता सहारनपुर-चण्डीगढ़	1 "	180
	कुल ..	2165

- (2) यतः उपरोक्त मार्ग पूर्णतः या अंशतः अधिसूचित किए गए हैं अतः इस करार के अधीन प्रत्येक राज्य के राज्य पथ परिवहन निगम की केवल मंजिली गाड़ियों के प्रचालन की अनुज्ञा दी जाएगी;
- (3) उपर्युक्त सेवाओं के प्रचालन का अनुज्ञापन प्रत्येक राज्य के राज्य पथ परिवहन निगम के नाम में जारी किया जाएगा किसी विनिर्दिष्ट वाहनों के लिए जारी नहीं किया जाएगा।
- (4) अन्तर्राज्यीयमार्गों पर उपर्युक्त सेवाओं के प्रचालन का पुनर्विलोक प्रत्येक छः मास पर किया जाएगा।
- (5) ऊपर वर्णित मार्गों पर यात्री किराया, काल भाड़ा और यात्री कर, सम्बन्धित राज्य में समय-समय पर विद्यमान दरों के अनुसार प्रभारित किया जाएगा। एक राज्य में जारी किए गए टिकट का प्ररूप दूसरे राज्य में वैध समझा जाएगा।

2. **प्राइवेट वाहक.**—ऐसे प्राइवेट वाहक अनुज्ञापनों पर, जिस पर प्रति हस्ताक्षर करने के लिए एक राज्य के परिवहन प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई है ऐसे अनुज्ञापनों की संख्या की बावत किसी निर्बन्धन के बिना, दूसरे राज्य के परिवहन प्राधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षर किए जाएंगे किन्तु ऐसे अनुज्ञापन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे :—

- (क) अनुज्ञापन विनिर्दिष्ट सीधे मार्ग के लिए जारी किया जाएगा और व्यक्तिकारी राज्य में यान के प्रचालन का क्षेत्र अनुज्ञापन जारी करने वाले प्राधिकारी की सिफारिश के अनुसार होगा।
- (ख) यान का उपयोग अनुज्ञापन में विनिर्दिष्ट माल के वहन के लिए और केवल अनुज्ञापन के धारक के साद्भाविक उपयोग के लिए किया जाएगा।
- (ग) किसी भी समय व्यक्तिकारी राज्य के राज्य क्षेत्र के भीतर अनन्यरूप से स्थित किन्हीं दो स्थानों के बीच कोई माल उठाया या उतारा नहीं जाएगा।

3. **लोक वाहक (स्थायी अनुज्ञापन).**—(i) उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के बीच प्रचालन के लिए सार्वजनिक वाहक अनुज्ञापनों की संख्या प्रत्येक राज्य के लिए 100 (एक सौ) होगी। क्षेत्र और प्रत्येक राज्य के सार्वजनिक

वाहकों को दूसरे राज्य में प्रचालन क्षेत्र निम्नलिखित प्रकार होगा :—

- (क) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक-वाहन अनुज्ञापन जिन्हें "उत्तर प्रदेश सार्वजनिक वाहक अनुज्ञापन" कहा जाएगा। हिमाचल प्रदेश राज्य परिवहन प्राधिकरण के प्रतिहस्ताक्षर के अधीन रहते हुए हिमाचल प्रदेश राज्य के सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र के लिए विधिमान्य होंगे ;
- (ख) हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक वाहक अनुज्ञापन केवल उत्तर प्रदेश के आगरा, मेरठ और देहरादून क्षेत्रों में ही विधिमान्य होंगे और उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किए जाएंगे।
- (ग) उत्तर प्रदेश सार्वजनिक वाहक अनुज्ञापनों का कोटा उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा उसके और उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों के मध्य वितरित किया जायेगा।
- (घ) उपरोक्त रूप से प्रतिहस्ताक्षर के अधीन प्रचालित सार्वजनिक वाहकों का उपयोग व्यक्तिकारी राज्य के राज्य क्षेत्र में अन्य रूप से स्थित किन्हीं दो स्थानों के मध्य माल को चढ़ाने और उतारने के लिए नहीं किया जाएगा।

4. मोटर गाड़ी (टैक्सी) के स्थाई अनुज्ञापन — प्रत्येक राज्य द्वारा टैक्सी के 25 (पच्चीस) अनुज्ञापन जारी किए जा सकते हैं। अनुज्ञापन पर अनुज्ञापन जारी करने वाले प्राधिकरण की सिफारिश पर व्यक्तिकारी राज्य में मोटर गाड़ियों (टैक्सियों) का प्रचालन क्षेत्र निम्नलिखित रूप से होगा :—

- (क) उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा जारी किए गए मोटर गाड़ियों '(टैक्सियों के अनुज्ञापन हिमाचल प्रदेश राज्य के सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र के लिए विधिमान्य होंगे।
- (ख) हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए मोटरगाड़ी (टैक्सियों) के अनुज्ञापन उत्तर प्रदेश के केवल आगरा, मेरठ और देहरादून क्षेत्रों में ही विधिमान्य होंगे।
- (ग) प्रतिहस्ताक्षर के अधीन प्रचालित मोटर गाड़ियों '(टैक्सियों) का उपयोग व्यक्तिकारी राज्य के राज्य क्षेत्र में अन्य रूप से स्थित किन्हीं दो स्थानों के मध्य यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के लिए नहीं किया जाएगा।

5. मंजिली गाड़ियों प्राइवेट वाहकों, सार्वजनिक और मोटर गाड़ियों (टैक्सियों) की बाबत अस्थाई अनुज्ञापन.—(1) प्रत्येक राज्य मोटरयान के सम्बन्ध में अस्थाई अनुज्ञापन में व्यक्तिकारी राज्य की पूर्व सहमति के बिना व्यक्तिकारी राज्य के ऐसे मार्ग या मार्गों पर जो अनुज्ञापन में विनिर्दिष्ट हों, एक वापसी यात्रा के लिए अधिकतम 14 (चौदह) दिनों की अवधि के लिए जारी कर सकेगा किन्तु ऐसे अनुज्ञापन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे :—

(I) ये अनुज्ञापन द्वि स्थानी कराधान के आधार पर जारी किए जाएंगे और व्यक्तिकारी राज्य में यात्रा के लिए कर व्यक्तिकारी राज्य में प्रवृत्त कराधान विधि के अनुसार इस खण्ड के उप-खण्ड (2) में अधिकसित राशि से देय होंगे।

(II) कोई भी माल या यात्री व्यक्तिकारी राज्य के राज्य क्षेत्र के भीतर पड़ने वाले किन्हीं दो स्थानों के मध्य चढ़ाए या उतारे नहीं जाएंगे।

2. (क) जहां तक उत्तर प्रदेश का सम्बन्ध है, उत्तर प्रदेश सरकार को अस्थाई अनुज्ञापन के सम्बन्ध में देय कर, अर्थात् मार्ग कर, माल कर और यात्री कर या कोई अन्य कर जो इसके पश्चात् उद्गृहीत किया जाए, केवल क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के मुख्यालय, देहरादून पर संदेय उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त के नाम भारतीय स्टेट बैंक बोर्ड लिखे गए बैंक ड्राफ्ट द्वारा संदत्त किया जाएगा। बैंक ड्राफ्ट के पीछे उस अस्थाई अनुज्ञापन की संख्या जिससे यह सम्बन्धित है, वर्णित की जाएगी जिससे इसके दुरुपयोग या किसी अन्य अनुज्ञापन के विरुद्ध इसका उपयोग सम्भावनाओं से बचा जा सके। बैंक ड्राफ्ट की संख्या, तारीख और रकम अस्थाई अनुज्ञापन पर भी

प्रविष्ट की जाएगी। बैंक ड्राफ्ट चालक या यान के प्रभारी द्वारा राज्य की सीमा पर स्थापित सीमा चैक-पोस्ट पर दिया जाएगा। यदि इस प्रकार दिए जा रहे कर की राशि में कोई कमी है तो यह सीमा चैक पोस्ट में निर्धारित और वसूल किया जाएगा जिसके लिए विहित प्रारूप में आवश्यक रसीद तुरन्त दी जाएगी।

(ख) जहाँ तक हिमाचल प्रदेश का सम्बन्ध है, हिमाचल प्रदेश सरकार को देकर उत्तर प्रदेश में अनुज्ञापत्र जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा वसूल किया जाएगा और सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण हिमाचल प्रदेश शिमला के नाम लिखे गए बैंक ड्राफ्ट द्वारा उसे, अनुज्ञापत्र जारी करने के पश्चात् दिनों के भीतर अनुज्ञापत्र की प्रति के सहित भेजा जाएगा। बैंक ड्राफ्ट के पीछे अस्थाई अनुज्ञापत्र की संख्या वर्णित की जाएगी और बैंक ड्राफ्ट की संख्या, तारीख और राशि अस्थाई अनुज्ञापत्र में भी प्रविष्ट की जाएगी।

(ग) एक मासिक विवरण, जिसमें जारी किये गए अस्थाई अनुज्ञापत्रों का पूरा ब्योरा हो, बैंक ड्राफ्टों की संख्या, तारीख और रकम तथा ऐसी अन्य सूचनाओं, जैसी व्यक्तिकारी राज्य द्वारा अपेक्षित हो, उदाहरणार्थ माल यान के मामले में भार योग (या रजिस्ट्रीकरण लदान, सहित भार और यात्री बसों के सम्बन्ध में बैठने के स्थान, सहित उत्तर प्रदेश सरकार के अनुज्ञापत्र जारी करने वाले प्राधिकरण द्वारा सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण, हिमाचल प्रदेश शिमला को और हिमाचल प्रदेश सरकार के अनुज्ञापत्र जारी करने वाले प्राधिकरण द्वारा परिवहन आयुक्त ((सैन्ट्रल पूल) उत्तर प्रदेश लखनऊ को प्रत्येक मास के अन्तिम दिन को भेजा जाएगा।

6. हिमाचल प्रदेश के प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए अनुज्ञापत्र सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, देहरादून द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किए जाएंगे और उत्तर प्रदेश प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए अनुज्ञापत्र सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण, शिमला द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किए जाएंगे।

7. व्यक्तिकारी राज्यों में बसों की जांच पड़ताल.—प्रत्येक राज्य के यान की जब वे व्यक्तिकारी राज्य के राज्य क्षेत्र में प्रचालित किए जा रहे हों अन्य राज्य के निरीक्षण कर्मचारियों द्वारा जांच पड़ताल की जाएगी।

8. सामान्य.—(1) इसके पक्षकार एतद्द्वारा यह करार करते हैं कि वे इस करार के अनुसार यानों के प्रचालन के सम्बन्ध में सम्बन्धित राज्य के सुसंगत नियमों के अधीन व्यक्तिकारी राज्य द्वारा जारी किए गए कर के टोकनों चालकों और प्रचालकों को अनुज्ञापत्रों, सार्वजनिक सेवा यानों को चलाने के प्राधिकार योग्यता प्रमाण-पत्रों आदि की मान्यता देंगे।

(2) यह करार उस तारीख को प्रवृत्त होगा जिस पर इसके पक्षकार आपस में लिखित रूप में सहमत हों और तब तक विधिमान्य होगा जब तक इसे इसके पक्षकारों के बीच नवीन करार द्वारा अधिकांश न कर दिया जाए या किसी ओर से छः मास की सूचना देने के पश्चात् विखंडित न कर दिया जाए।

इसके साक्ष्य स्वरूप इसके पक्षकारों ने पहले ऊपर लिखित तारीख और बर्ष को इस विलेख पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर
से और उसके लिए उत्तर प्रदेश
सरकार के परिवहन विभाग के सचिव।

हिमाचल प्रदेश सरकार की
ओर से और उसके लिए हिमाचल
प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग के
सचिव।

TRANSPORT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 2nd July, 1984

States of Himachal Pradesh and Uttar Pradesh under sub-section (3-A) of the section 63 of the Motor Vehicles Act, 1939 for plying stage carriage services into the territory of each State;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3-A) of the section 63 of the Motor Vehicles Act, 1939 (Central Act 4 of 1939), the Governor, Himachal Pradesh hereby publishes the draft reciprocal agreement proposed to be arrived at between the said two States annexed for the information of the persons likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that the proposed draft agreement along with any representation/suggestion received in connection therewith, shall be taken into consideration by the Secretary to the Government of Himachal Pradesh, Transport Department, Shimla-171002, on or after the expiry of the period of 30 days from the publication of this notification in the official Gazette.

HARSH GUPTA,
Secretary.

DRAFT RECIPROCAL AGREEMENT FOR PUBLIC CARRIERS BETWEEN THE STATES OF HIMACHAL PRADESH AND UTTAR PRADESH

This Agreement is made thisday of1984 between the Governor of Himachal Pradesh (hereinafter referred to as the Government of Himachal Pradesh, which expression shall include his successors in office) of the one part and the Governor of Uttar Pradesh (hereinafter called "the U.P. Government" Which expression shall include his successors in office) of the second part.

Whereas, in view of the rapid economic development of the country and with a view to encouraging movement of transport vehicles on Inter-State routes between the States of Uttar Pradesh and Himachal Pradesh, and to regulate and control their operation, it is necessary to enter into a reciprocal agreement between the two States;

And Whereas, the parties hereto desire that an agreement on the terms and conditions set out hereinafter may be executed between them.

Now this deed witnesses and the parties hereto hereby agree as follows:—

1. **Stage Carriages.**—(1) The area of operation and number of trips of stage carriages of each State within the territory of other State will be as follows :—

(a) Area of operation and number of trips of state carriages of Himachal Pradesh in Uttar Pradesh

Name of the route 1	No. of trips per day 2	Kms. in U.P. 3
1. Shimla-Hardwar <i>via</i> Nahan	1 RT	246 kms
2. Baijnath-Hardwar <i>via</i> Chandigarh	1 RT	212 kms
3. Hamirpur-Hardwar <i>via</i> Chandigarh	1 RT	212 kms
4. Manali-Hardwar <i>via</i> Chandigarh	1 RT	212 kms
5. Shimla-Hardwar <i>via</i> Chandigarh	1 RT	212 kms
6. Chamba-Hardwar <i>via</i> Ambala	1 RT	212 kms
7. Sarkaghat-Hardwar <i>via</i> Chandigarh	1 RT	246 kms
8. Rohru-Hardwar <i>via</i> Nerwa-Fiddas-Shilai-Paonta	1 RT	246 kms
9. Shimla-Dehradun <i>via</i> Nahan	1 RT	100 kms

1	2	3
10. Sujanpur-Vikasnagar <i>via</i> Chandigarh-Nahan	1 RT	32 kms
11. Nalagarh-Hardwar <i>via</i> Chandigarh-Ambala	1 RT	212 kms
	Total ...	2142 kms

(b) Area of operation and number of trips of Stage carriages of Uttar Pardesh in Himachal Pardesh

Name of the route	No. of trips	Kms. in H.P.
1. Saharanpur-Nahan	4 RT	384 kms
2. Dehradun-Paonta <i>via</i> Vikasnagar-Dakpathar	6 RT	6 kms
3. Dehradun-Paonta	1 RT	1 km
4. Dehradun-Nahan	1 RT	96 kms
5. Hardwar-Dehradun-Nahan-Shimla	1 RT	382 kms
6. Dehradun-Shimla <i>via</i> Chandigarh	2 RT	360 kms
7. Hardwar-Shimla <i>via</i> Chandigarh	1 RT	180 kms
8. Roorkee-Nahan <i>via</i> Chutmalpur-Kalsia-Herbertput	3 RT	288 kms
9. Muzaffarnager-Nahan <i>via</i> Deoband Saharanpur	3 RT	288 kms
10. Meerut-Shimla <i>via</i> Deoband-Saharanpru-Chandigarh	1 RT	180 kms
	Total ..	2165 kms

Note.— RT means Return Trip.

(2) As the above routes are either wholly or partially notified, only the stage carriages of State Road Transport Corporation of each State will be allowed to operate under this agreement.

(3) The permits for operation of aforesaid services shall be issued in the name of State Road Transport Corporation of each State and not for specific vehicles.

(4) The operation of the aforesaid services on Inter-State Routes shall be reviewed every six months.

(5) Fare, freight and passenger tax on the above mentioned routes shall be charged according to rates prevalent from time to time in the respective State. The form of ticket issued in one State shall be deemed to be valid in the other State.

2. Private Carriers.—(1) Private Carrier permits recommended for counter signatures by the transport authorities of one State shall be countersigned by the transport authority of other State without restriction as to the number of such permits, but such permits shall be subject to the following conditions :—

- The permits shall be issued for specific direct routes and the area of operation of vehicle in the reciprocating State shall be in accordance with the recommendation of the permit issuing authority.
- The vehicle shall be used for the carriage of goods specified in the permit and for the *bona fide* use of the permit holder only.
- No goods shall at any time be picked up or set down between any two points lying exclusively within the territory of reciprocating State.

3. Public Carriers (Substantive Permits).—(1) The total number of public carrier permits

to be operated between the State of Uttar Pradesh and Himachal Pradesh shall be 100 (One hundred) for each State. The area of operation of public carriers of each State in the territory of the other State shall be as under :—

- (a) The public carrier permits issued by the Uttar Pradesh Government (called "U.P. Public Carrier Permit") shall be valid for whole of the territory of Himachal Pradesh State subject to counter-signatures by the State Transport Authority in Himachal Pradesh.
- (b) The public carrier permits issued by the Himachal Pradesh Government shall be valid only for Agra Meerut and Dehradun Regions of Uttar Pradesh and shall be countersigned by the State Transport Authority, Uttar Pradesh.
- (c) The quota of Uttar Pradesh public carrier permits shall be distributed by the State Transport Authority Uttar Pradesh amongst itself and the various Regional Transport Authorities of Uttar Pradesh.
- (d) The public carriers operating under countersignatures as aforesaid shall not be used for picking up and setting down of goods between any two points lying exclusively within the territory of the reciprocating State.

4. Motor Cab (Taxis) Substantive Permits.—25 (twenty five) permits of taxis may be issued by each State. The permits will be countersigned by the reciprocating State on the recommendation of the authority issuing the permit. The area of operation of the Motor Cabs (Taxis) in the reciprocating State shall be as under :—

- (a) The Motor Cab permits issued by the Uttar Pradesh Government shall be valid for the whole of the territory of the State of Himachal Pradesh.
- (b) The Motor Cab Permits issued by the Himachal Pradesh Government shall be valid only for Agra, Meerut and Dehradun regions of Uttar Pradesh State.
- (c) The Motor Cab operating under counter signatures shall not be used for picking up or setting down passengers between any two points lying exclusively within the territory of the reciprocating State.

5. Temporary permits in respect of Stage Carriages, Private Carriers, Public Carriers and Motor Cabs.—(1) Each State may issue temporary permits in respect of motor vehicles for a period not exceeding 14 (fourteen) days for a single return trip for plying on the route/routes in the reciprocating State as specified in the permit without prior concurrence of the reciprocating State but such permits shall be subject to the following conditions :—

- (i) These permits will be issued on the basis of double point taxation and taxes for the Journey in the reciprocating State shall be payable in accordance with the taxative laws in force in the reciprocating State in the manner laid down in sub-clause (2) of this clause.
- (ii) No goods or passengers shall be picked up or set down between any two points lying wholly within the territory of the reciprocating State.

(2) (a) So far as Uttar Pradesh is concerned the taxes namely, the road tax, goods tax and passenger tax or any other tax which may be levied hereafter, payable to Uttar Pradesh Government in respect of temporary permits shall be paid by bank draft drawn on the State Bank of India in the name of the Transport Commissioner, Uttar Pradesh payable only at the headquarters of the Regional Transport Officers, Dehradun. On the back of the bank draft the temporary permit number to which it relates shall be mentioned to avoid the possibility of its being misused or utilised against any other permit. The number, date and amount of the bank draft shall also be entered on the temporary permit. The bank draft shall be handed over by the driver or person-in-charge of the vehicle at the border check-post established on the State Border. In case there is any deficiency in the amount of the tax so remitted, it will be assessed and realised in cash

at the border check-post for which necessary receipt in the prescribed form shall be issued forthwith.

(b) So far as Himachal Pradesh is concerned, the taxes payable to the Government of Himachal Pradesh shall be realised and sent by the permit issuing authorities in Uttar Pradesh by bank draft drawn in the name of Secretary, State Transport Authority, Himachal Pradesh, Shimla, and sent to him within... days after the issue of the permit along with a copy of the permit. On the back of the bank draft the temporary permit number shall be mentioned and the number, date and amount of the bank draft shall also be entered on the temporary permit.

(c) A monthly statement containing full details of the temporary permits issued together with the number, date and amount of bank drafts and other information as may be requiring by the reciprocating State e.g. pay load (or Registered Laden Weight) in case of goods vehicles and seating capacity in case of passenger buses shall be sent by the last day of each month by the permit issuing authorities of Uttar Pradesh Govt. to the Secretary, State Transport Authority, Himachal Pradesh Government, Shimla and by the permit issuing authorities of the Government of Himachal Pradesh to the Transport Commissioner (Central Pool) Uttar Pradesh Lucknow.

6. The permits issued by Himachal Pradesh Authorities will be countersigned by the Secretary, Regional Transport Authority Dehradun and the permits issued by the Uttar Pradesh authorities will be countersigned by the Secretary, Regional Transport Authority Shimla.

7. **Checking of buses in the reciprocating States.**—The vehicles of each State while operating in the territory of the reciprocating State will be checked by the checking staff of the other State.

8. **General.**—(1) The parties hereto hereby agree to recognise the tax tokens, driver's and Conductor's licences, authorisation to drive public service vehicles, certificate of fitness etc. issued by the reciprocating State under the relevant rules of the concerned State in respect of the vehicles plying in accordance with this agreement.

(2) This agreement shall come into force on such date as the parties hereto may mutually agree in writing and shall be valid unless superseded by a new agreement between the parties hereto or rescinded after issue of six months notice on either side.

In Witness whereof the parties hereto have signed this deed on the day and year first above written.

*Secretary to the Government
of U.P. Transport Department,
for and on behalf of,
the Governor of Uttar Pradesh.*

*Secretary to the Government
of Himachal Pradesh,
Transport Department,
for and on behalf of,
the Governor, Himachal Pradesh.*

